1	2	3
3.	बांसवाड़ा	1986
4.	बारमेर	1989
5.	बीवर	1986
6.	बीकानेर	1989
7.	भरतपुर	1989
8.	भीलवाड़ा	1986
9.	जयपुर	1986
10.	जोधपुर	1989
11.	कोटा	1989
12.	नागौर	1989
13.	पाली	1986
14	सीकर	1989
15.	श्रीगंगानगर	1989
16.	सवाई माधोपुर	1989
17.	उदयपुर	1987

जयपुर, उदयपुर, अजमेर, बांसवाड़ा, भीलवाड़ा, पाली और ब्यावर दूरसंचार जिलों में टेलीफोन डायरेक्ट्रियों की आपूर्ति, ठेकेदारों द्वारा अपने वायदे पूरे करने में असफल रहने के कारण और इन मामलों में आई कानूनी अड़चनों के कारण देरी से हुई ।

(ख) जी हां। क्षेत्र परिवर्तन के कारण उपभोक्ताओं को समाचार पत्रों में विज्ञापित अधिसूचनाओं के माध्यम से और व्यक्तिगत सूचना भेजकर टेलीफोन नम्बरों में परिवर्तन की जानकारी दी जाती है।

(ग) टेलीफोन की संस्थापना के बाद नये टेलीफोन की जानकारी, एक-दो दिन के भीतर आम तौर पर "197" पर उपलब्ध होती है ।

जयपुर और सवाई माधोपुर के बीच खराब लाइनों के कारण ट्रंक कालों में विलम्ब

1968. डा० अबरार अहमद खान : क्या संचार मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार को इस बात की जानकारी है कि जब कभी भी दिल्ली से सवाई माधोपुर के लिए ट्रंककाल बुक कराई जाती है तो यह कहा जाता है कि जयपुर और सवाई माधोपुर के बीच टेलीफोन लाइन खराब है और इसलिए दो दिन तक भी सम्पर्क स्थापित करना संभव नहीं हो पाता है, यदि हां, तो इसके क्या कारण हैं और क्या सरकार इस स्थिति को सुधारने के लिए कोई कदम उठा रही है ;

(ख) पिछले तीन महीनों के दौरान दिल्ली से सवाई माधोपुर के लिए बुक किए गए ट्रंककालों की संख्या कितनी है और इनमें से कितने काल रद्द कर दिये गये और काल बुक कराने और उनके रद्द कराने के बीच के समय का ब्यौरा क्या है ; और

(ग) ऐसे ट्रंककालों की संख्या कितनी है जिनमें बातचीत करा दी गयी तथा बातचीत कराने में कितना समय लगा और ऐसे ट्रंककालों की संख्या कितनी है जो अपने आप रद्द हो गये ?

जल-भूतल परिवहन मंत्री, साथ में संचार मंत्रालय का अतिरिक्त प्रभार (श्री के. पी. उन्नीकृष्णन) : (क) से (ग) जानकारी एकत्रित की जा रही है और सभा पटल पर रख दी जाएगी ।

चम्बल और बनास नदियों पर पुलों का निर्माण

1969. **डा. अबरार अहमद खान** : क्या जल-भूतल परिवहन मंत्री यह बताने की कृपा करगे कि :

(क) राजस्थान और मध्य प्रदेश के बीच पालीघाट में चम्बल नदी पर बन रहे पुल का निर्माण कार्य कब तक पूरा हो जाने की संभावना है, इसके पूरा होने का क्या लक्ष्य निर्धारित किया गया था और विलम्ब के क्या कारण हैं ;

(ख) इस परियोजना के बन जाने से प्रभावित होने वाले राष्ट्रीय राजमार्ग का नाम क्या है और यह किस प्रकार से प्रभावित होगा ; और

(ग) सवाई माधोपुर जिले में बनास नदी पर बनाए गए जा रहे पुल का निर्माण कार्य कब तक पूरा हो जाने की संभावना है और इसके पूरा होने में क्या बाधाएं हैं ?

जल-भूतल परिवहन मंत्री, साथ में संचार मंत्रालय का अतिरिक्त प्रभार (श्री के. पी. उन्नीकृष्णन) : (क) भारत सरकार से ऋण सहायता के तहत पालीघाट में चम्बल नदी पर पुल के निर्माण कार्य को राजस्थान सरकार द्वारा 1985 में पूरा किए जाने का लक्ष्य रखा गया था । नींव के निर्माण में कुछ बाधाएं आईं जिनको चट्टानी सतह तक पहुंचा दिया गया है । पुल की सामान्य आयोजना में तकनीकी आधार पर कुछ परिवर्तन किए जाने अपेक्षित थे जिसके लिए डिजाइन में संशोधन आवश्यक था । इन बाधाओं पर अब काबू पा लिया गया है और परियोजना के 1992 में पूरे हो जाने की आशा है ।

(ख) चूंकि पुल का निर्माण राज्य-सड़क पर किया जा रहा है इसलिए कोई राष्ट्रीय राजमार्ग प्रभावित नहीं हो रहा है ।

(ग) बनास नदी पर पुल के निर्माण, जिसके लिए केन्द्र सरकार द्वारा ऋण सहायता उपलब्ध कराई गई है, में इस समय कोई बाधा नहीं है और पुल के 1990 में पूरे हो जाने की संभावना है ।

Meetings of Consultative Committees

1970. SHRI PAWAN KUMAR BANSAL: Will the Minister of PARLIAMENTARY AFFAIRS be pleased to state:

(a) whether meetings of some of the Consultative Committees attached to different Ministries were not held during the inter-session period between January—March, 1990; and

(b) if so, the details of such Committees and what were the reasons for not holding the meetings ?

THE MINISTER OF INFORMATION AND BROADCASTING AND PARLIAMENTARY AFFAIRS (SHRI P. UPENDRA): (a) and (b) Out of 28 Consultative Committees, only three Committees, namely, (i) Water Resources (ii) Personnel, Public Grievances & Pensions and (iii) Human Resource Development, could not hold their meetings during the inter-session period between January—March, 1990- Pressing engagements and participation